पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिले प्रशिक्षु आई0पी0एस0 अधिकारी
पुलिस सेवा एक सम्मानित सेवा है - राज्यपाल

लखनऊः 15 जनवरी, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में भारतीय पुलिस सेवा 2015 बैच के 3 तथा 2016 बैच के 11 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की। राज्यपाल से भेंटवार्ता का कार्यक्रम पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण श्री गोपाल गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण श्री सतीश कुमार माथुर सहित राजभवन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पुलिस सेवा एक सम्मानित सेवा है जिसका काम कठिन समय में लोगों की सहायता करना है। पुलिस अधिकारी का व्यवहार सबसे महत्वपूर्ण होता है। समाज में सुधार लाने के लिये बहुत कुछ व्यक्तित्व और व्यवहार पर निर्भर होता है। पुलिस निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं प्रमाणिकता से काम करके लोगों के मन में विश्वास पैदा करे। अगले दिन की तैयारी एक दिन पूर्व करंे। प्राथमिकता तय करने के लिये नोट करने की आदत डालें। अपने कार्य को समय पर निस्तारित करंे और उसकी निरन्तर समीक्षा करते रहंे। उन्होंने कहा कि बिना अहंकार के अपने दायित्वों को निभाना ही सेवा धर्म है।

राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से परिचय प्राप्त करने के बाद प्रसन्नता व्यक्त की कि सभी अधिकारी उच्च शिक्षा में अलग-अलग विषयों में पारंगत हैं, विशेषकर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि अपने-अपने विषय के ज्ञान का उपयोग व्यवहारिक तौर पर अपराध नियंत्रण के लिए करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा अधिकारी न्यायप्रियता और संवदेनशीलता से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को व्यक्तित्व विकास एवं सफलता के मंत्र बताते हुये कहा कि सदैव प्रसन्नचित रहें, दूसरों के अच्छे काम की प्रशंसा करें, किसी की अवमानना न करें तथा हर काम को बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें।

राज्यपाल से पूछे गये एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि बी0काम0 की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् उन्होंने महालेखाकार कार्यालय में नौकरी करना प्रारम्भ किया। राजनीति सेवा का पर्याय है इसलिए नौकरी छोड़कर राजनीति में आ गये जबकि राजनीति को जीवन यात्रा बनाने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने राजनीति में आने के बाद पहले समाज सेवक फिर विधायक, सांसद, विभिन्न विभागों में राज्यमंत्री एवं मंत्री और अब राज्यपाल बनने तक का सफर प्रशिक्षु अधिकारियों से साझा किया। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता का मूल मंत्र चलते रहना यानि 'चरैवेति! चरैवेति!!' रहा है। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का इतिहास भी बताया।

पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण श्री गोपाल गुप्ता ने राज्यपाल का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अपर महानिदेशक प्रशिक्षण श्री सतीश कुमार माथुर ने स्वागत करते हुए प्रशिक्षु अधिकारियों का राज्यपाल से परिचय कराया।

अंजुम/ललित/राजभवन (19/19)